



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 27 अक्टूबर, 2026

जारी करने का समय: 1335 घंटे

विषय: बहुत भीषण चक्रवाती तूफान "अर्नब" के प्रभाव के कारण, 27-28 अक्टूबर, 2026 के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और ओडिशा में; तथा 28 अक्टूबर, 2026 को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 26 अक्टूबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

❖ केरल में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक I और II):

- ❖ पूर्वी-मध्य और उससे सटे पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी में मौजूद चक्रवाती तूफान "अर्नब" 26 तारीख की आधी रात तक पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक 'गंभीर चक्रवाती तूफान' (severe cyclonic storm) में बदल गया और 27 तारीख की सुबह तक उसी क्षेत्र में एक 'बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान' (very severe cyclonic storm) का रूप ले लिया। आज, 27 अक्टूबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) यह तूफान 16.0°N अक्षांश और 84.3°E देशांतर के पास स्थित था। यह विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से लगभग 220 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 240 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 340 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, गोपालपुर (ओडिशा) से 370 किमी दक्षिण, बापटला (आंध्र प्रदेश) से 410 किमी पूर्व और श्री विजय पुरम (अंडमान द्वीप समूह) से 1030 किमी पश्चिम-उत्तरपश्चिम में स्थित है। इसके 27 अक्टूबर की शाम तक पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और 28 अक्टूबर 2026 की दोपहर से पहले आंध्र प्रदेश और यनम के तटों को पार करने की संभावना है। यह बापटला और विशाखापत्तनम के बीच, यनम के पास से एक 'बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान' के रूप में गुजरेगा, जिसमें हवा की निरंतर गति 125-135 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 150 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।
- ❖ वायुमंडल की निचली परतों में, उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) चक्रवाती परिसंचरण (cyclonic circulation) के रूप में मौजूद है।
- ❖ वायुमंडल की निचली परतों में, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण) मौजूद है।
- ❖ वायुमंडल की मध्यम और ऊपरी परतों में एक और 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) एक 'ट्रफ' (trough) के रूप में मौजूद है, जो लगभग 28°N अक्षांश के उत्तर में 73°E देशांतर के साथ-साथ बना हुआ है।
- ❖ वायुमंडल की निचली परतों में, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के क्षेत्रों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण) मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 27 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 27 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच केरल और माहे में; 27 अक्टूबर और 2 नवंबर को लक्षद्वीप में; 29 अक्टूबर तथा 1-2 नवंबर को तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 29 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 30 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच तटीय

आंध्र प्रदेश और यनम में; और 27 अक्टूबर तथा 29-30 अक्टूबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 2 नवंबर को केरल और माहे में; 27-29 अक्टूबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 28 अक्टूबर को तेलंगाना में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27-28 अक्टूबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। 29 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 27 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 27-28 अक्टूबर को केरल और माहे में; 29 अक्टूबर को उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 30-31 अक्टूबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 27-31 अक्टूबर के बीच रायलसीमा में; और 27 अक्टूबर तथा 29 अक्टूबर को तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- ❖ 27 अक्टूबर को केरल और माहे में; 29 अक्टूबर और 2 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 28 अक्टूबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। □ 27-28 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 अक्टूबर को तेलंगाना में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- ❖ 28-29 अक्टूबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; तथा 27-31 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 28 अक्टूबर-2 नवंबर के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में छिटपुट से लेकर छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 27 अक्टूबर को और 31 अक्टूबर-2 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश; 27 अक्टूबर को विदर्भ और 30 अक्टूबर को।
- ❖ 28-30 अक्टूबर के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 28-29 अक्टूबर के दौरान विदर्भ।
- ❖ 29-31 अक्टूबर के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में छिटपुट आंधी, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 28-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 28-29 अक्टूबर के दौरान विदर्भ, 27 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में और 31 अक्टूबर-2 नवंबर के दौरान तेज़ हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; विदर्भ 27 अक्टूबर।
- ❖ 30-31 अक्टूबर के दौरान छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28 अक्टूबर और 30 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 29 अक्टूबर को विदर्भ; 27 अक्टूबर को छत्तीसगढ़, 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है; विदर्भ 28 अक्टूबर।
- ❖ 28 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 28 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक) होने की संभावना है।
- ❖ 27 अक्टूबर और 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक) होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 27 से 31 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 29 से 30 अक्टूबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 28 से 29 अक्टूबर के दौरान गांगेय पश्चिम बंगाल; 28 से 30 अक्टूबर के दौरान झारखंड; 29 से 31 अक्टूबर के दौरान बिहार; और 27 से 30 अक्टूबर के दौरान ओडिशा में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 2 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 28 अक्टूबर तथा 31 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 27 अक्टूबर तथा 30 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान गांगेय पश्चिम बंगाल; 27

अक्टूबर तथा 31 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान झारखंड; 27 से 28 अक्टूबर तथा 1 से 2 नवंबर के दौरान बिहार; और 31 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 27 से 30 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 28 से 29 अक्टूबर के दौरान गांगेय पश्चिम बंगाल; 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के दौरान बिहार; और 29 अक्टूबर को ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 31 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 29 से 31 अक्टूबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 27 अक्टूबर और 30 अक्टूबर को गांगेय पश्चिम बंगाल; तथा 27 अक्टूबर को झारखंड में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- ❖ 28 से 30 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; और 29 से 30 अक्टूबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 28-29 अक्टूबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 28 अक्टूबर को झारखंड; 1-2 नवंबर के दौरान ओडिशा में बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 29 अक्टूबर को झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। 29-30 अक्टूबर के दौरान बिहार में भी बारिश होने के आसार हैं।
- ❖ 27-28 अक्टूबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 अक्टूबर को ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- ❖ 28-29 अक्टूबर के दौरान झारखंड में और 27 अक्टूबर को ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 29 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच अरुणाचल प्रदेश में; और 27 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 से 29 अक्टूबर के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 2 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश में; 28 अक्टूबर और 1-2 नवंबर को असम और मेघालय में; तथा 27-28 अक्टूबर को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 29-30 अक्टूबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 29 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 28 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर से 1 नवंबर के दौरान पंजाब में; 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 29-31 अक्टूबर के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 28 अक्टूबर को तथा 31 अक्टूबर से 1 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 29-30 अक्टूबर के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी बड़े हिस्से में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; और 29-30 अक्टूबर के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- ❖ 29-31 अक्टूबर के दौरान पंजाब में; 28-31 अक्टूबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; और 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; तथा 28 अक्टूबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- ❖ 29-30 अक्टूबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 31 अक्टूबर को पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।

- ❖ 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। □ 29-30 अक्टूबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 28 से 30 अक्टूबर के दौरान कोंकण और गोवा तथा मराठवाड़ा में; 28 से 31 अक्टूबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 29 से 30 अक्टूबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में; और 30 अक्टूबर को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को कोंकण और गोवा में; तथा 28 से 30 अक्टूबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- ❖ पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहाँ अभी 140-150 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जिनके झोंके 165 किमी/घंटा तक पहुँच रहे हैं। 27 अक्टूबर 2026 की दोपहर से शाम तक इनके और तेज होने की संभावना है, जब हवा की गति 150-160 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 180 किमी/घंटा) तक पहुँच सकती है। इसके बाद, हवा की गति धीरे-धीरे कम होने की संभावना है; 27 अक्टूबर की आधी रात तक यह 135-145 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 160 किमी/घंटा) और 28 अक्टूबर 2026 की सुबह तक 125-135 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 150 किमी/घंटा) रह सकती है। लैंडफॉल (तट से टकराने) के बाद, हवा की गति और कम होने लगेगी; 28 अक्टूबर की शाम तक यह 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा) और 29 अक्टूबर की सुबह तक 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी, और इसके बाद धीरे-धीरे और कम होती जाएगी।
- ❖ आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के तटों के पास: 27 अक्टूबर की सुबह से ही यहाँ तेज हवाएं चल रही हैं, जिनकी गति 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) है। इनकी गति धीरे-धीरे बढ़ेगी; 27 अक्टूबर की दोपहर तक यह 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा), 27 अक्टूबर की रात से 100-110 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा), और 28 अक्टूबर की सुबह से दोपहर तक 125-135 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 150 किमी/घंटा) तक पहुँच सकती है। लैंडफॉल के बाद, हवा की गति कम होने लगेगी; 28 अक्टूबर की शाम तक यह 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा) और 29 अक्टूबर की सुबह तक 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) रह जाएगी, और इसके बाद धीरे-धीरे और कम होती जाएगी। □ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के जिले (अनकापल्ली, विशाखापत्तनम, काकीनाडा, पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी, कोनासीमा, कृष्णा, बापटला): 27 अक्टूबर की सुबह से ही यहाँ तेज़ हवाओं वाला मौसम बना हुआ है, जिसमें हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा है और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच रही है। यह गति धीरे-धीरे बढ़ेगी; 27 अक्टूबर की दोपहर तक हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी प्रति घंटा) हो जाएगी, 27 अक्टूबर की रात से 90-100 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटा) हो जाएगी, और 28 अक्टूबर की सुबह से दोपहर तक 125-135 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 150 किमी प्रति घंटा) तक पहुँच सकती है। लैंडफॉल (तूफान के तट से टकराने) के बाद, हवा की गति कम होने लगेगी। 28 अक्टूबर की शाम तक यह 90-100 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटा) रह जाएगी, 29 अक्टूबर की सुबह तक 50-60 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा) हो जाएगी, और उसके बाद धीरे-धीरे और कम होती जाएगी।
- ❖ दक्षिण ओडिशा तट के पास और उससे सटे इलाकों में: 27 अक्टूबर की सुबह से यहाँ तेज़ हवाओं वाला मौसम रहने की प्रबल संभावना है, जिसमें हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटा होगी और झोंकों के साथ यह 65 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 27 अक्टूबर की शाम से 28 अक्टूबर की दोपहर तक हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा) रहेगी, और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से और उत्तरी तमिलनाडु तट के पास: 27 अक्टूबर की दोपहर से 28 अक्टूबर की दोपहर तक यहाँ तेज़ हवाओं वाला मौसम रहने की प्रबल संभावना है, जिसमें हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा होगी और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से और पश्चिम बंगाल तट के पास: 27 अक्टूबर की दोपहर से 28 अक्टूबर की दोपहर तक यहाँ तेज़ हवाओं वाला मौसम रहने की प्रबल संभावना है, जिसमें हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा होगी और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी। □ दक्षिण

ओडिशा, दक्षिण छत्तीसगढ़ और उत्तर-पूर्वी तेलंगाना के जिलों में: 27 अक्टूबर की रात से 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज हवाएं चलने की संभावना है। 28 अक्टूबर की सुबह से ये हवाएं और तेज होकर 60-70 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक) की रफ्तार पकड़ सकती हैं। यह स्थिति दक्षिण ओडिशा के सुदूर दक्षिणी जिलों (गंजम, गजपति, नबरंगपुर, रायगड़ा, कोरापुट और मलकानगिरी), छत्तीसगढ़ (सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर) और उत्तर-पूर्वी तेलंगाना के सटे जिलों (खम्मम, भद्राद्री कोठागुडेम, मुलुगु और महबूबाबाद) में 28 अक्टूबर की रात तक बनी रहेगी। इसके बाद, 29 अक्टूबर की सुबह तक हवा की गति 50-60 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) रह सकती है, और फिर धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: लैंडफॉल (28 अक्टूबर की सुबह) तक समुद्र की स्थिति अत्यंत भीषण (phenomenal) बनी रहने की संभावना है। लैंडफॉल के बाद, स्थिति में सुधार होना शुरू हो जाएगा; 28 अक्टूबर की शाम तक यह 'बहुत ऊँची' (very high) से 'ऊँची' (high) हो जाएगी, 29 अक्टूबर की सुबह तक और बेहतर होकर 'बहुत खराब' (very rough) से 'खराब' (rough) हो जाएगी, और उसके बाद धीरे-धीरे और सुधार होगा।
- ❖ आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के तटों के पास: 27 अक्टूबर की सुबह से ही समुद्र की स्थिति 'खराब' (rough) से 'बहुत खराब' (very rough) रहने की संभावना है। 27 अक्टूबर की दोपहर तक स्थिति और बिगड़कर 'ऊँची' (high) से 'बहुत ऊँची' (very high) हो जाएगी, और 27 अक्टूबर की रात से लेकर लैंडफॉल (28 अक्टूबर की सुबह) के समय तक यह अत्यंत भीषण (phenomenal) हो जाएगी। लैंडफॉल के बाद, स्थिति में सुधार होना शुरू हो जाएगा; 28 अक्टूबर की शाम तक यह 'बहुत ऊँची' (very high) से 'ऊँची' (high) हो जाएगी, 29 अक्टूबर की सुबह तक और बेहतर होकर 'बहुत खराब' (very rough) से 'खराब' (rough) हो जाएगी, और उसके बाद धीरे-धीरे और सुधार होगा।
- ❖ दक्षिण ओडिशा तट और उसके आस-पास के क्षेत्रों में: 27 अक्टूबर की दोपहर से 28 अक्टूबर की दोपहर तक दक्षिण ओडिशा तट और उसके आस-पास के क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति 'खराब' (rough) से 'बहुत खराब' (very rough) रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार होगा।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु तट के आस-पास के क्षेत्रों में: 27 अक्टूबर की दोपहर से 28 अक्टूबर की दोपहर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु तट के आस-पास के क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति 'खराब' (rough) से 'बहुत खराब' (very rough) रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार होगा।
- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल तट के आस-पास के क्षेत्रों में: 27 अक्टूबर की दोपहर से 28 अक्टूबर की दोपहर तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल तट के आस-पास के क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति 'खराब' (rough) से 'बहुत खराब' (very rough) रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें धीरे-धीरे सुधार होगा।

तूफानी लहर (स्टॉर्म सर्ज) की चेतावनी:

- ❖ लैंडफॉल के समय, खगोलीय ज्वार (astronomical tide) के स्तर से 1.0 से 2.0 मीटर ऊंचे 'स्टॉर्म सर्ज' (तूफानी लहरों) के कारण आंध्र प्रदेश के निचले इलाकों में पानी भरने की प्रबल संभावना है। काकीनाडा और यानम (पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश) के आसपास के क्षेत्रों में सबसे ऊंची लहरें उठने का अनुमान है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ 27 से 29 अक्टूबर तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी;
- ❖ 27 से 29 अक्टूबर तक आंध्र प्रदेश-ओडिशा के तटों के पास और उनसे दूर के इलाकों में;
- ❖ 27 से 29 अक्टूबर तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तट के पास और उससे दूर के इलाकों में;
- ❖ 27 और 28 अक्टूबर को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों के पास और उनसे दूर के इलाकों में।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

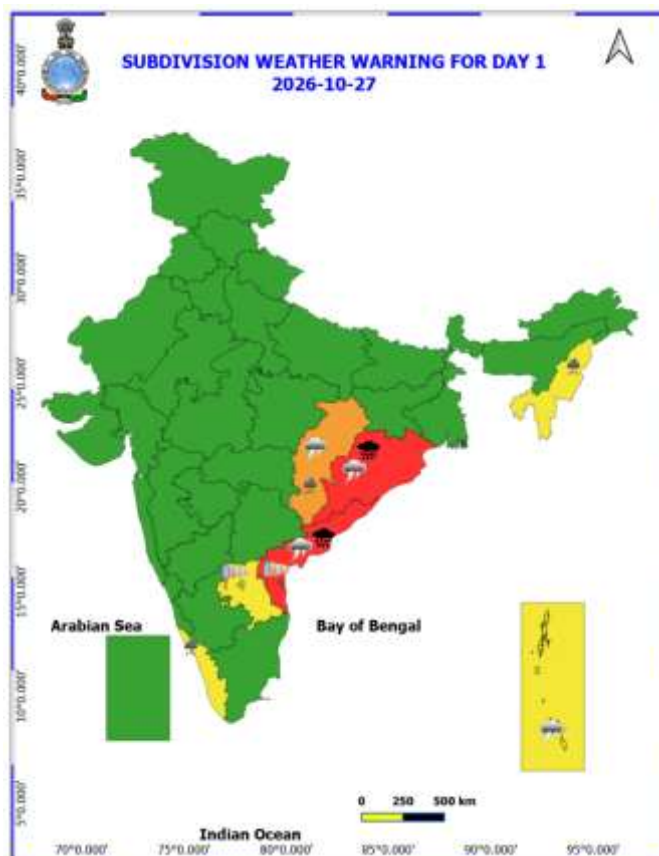
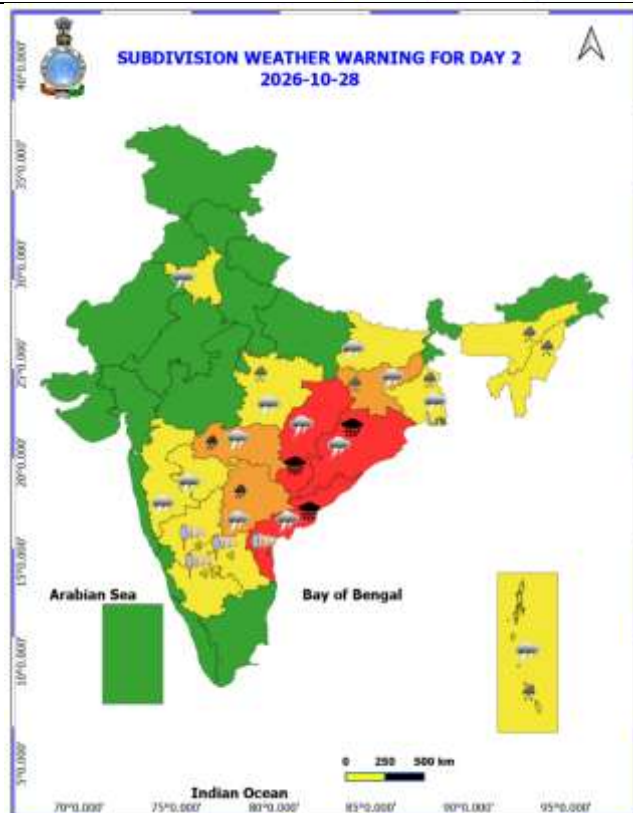
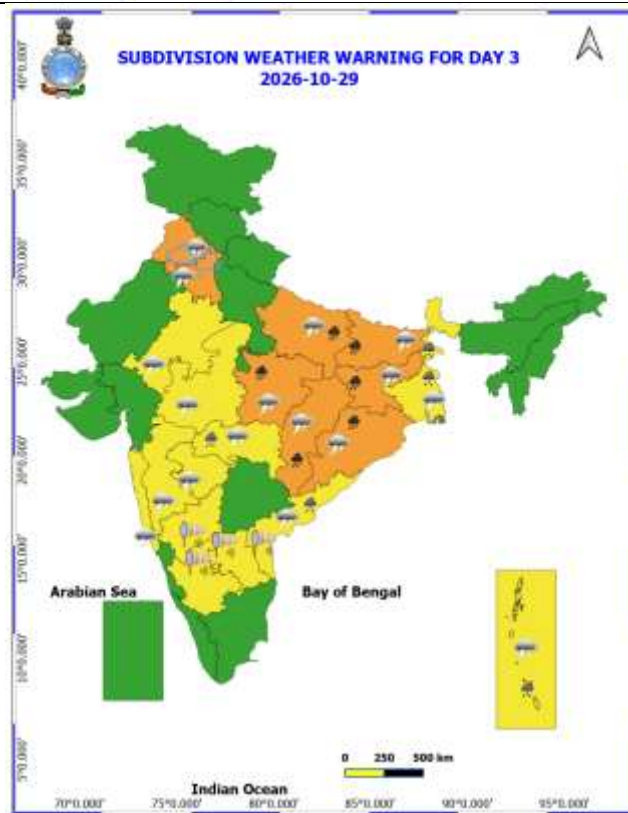
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

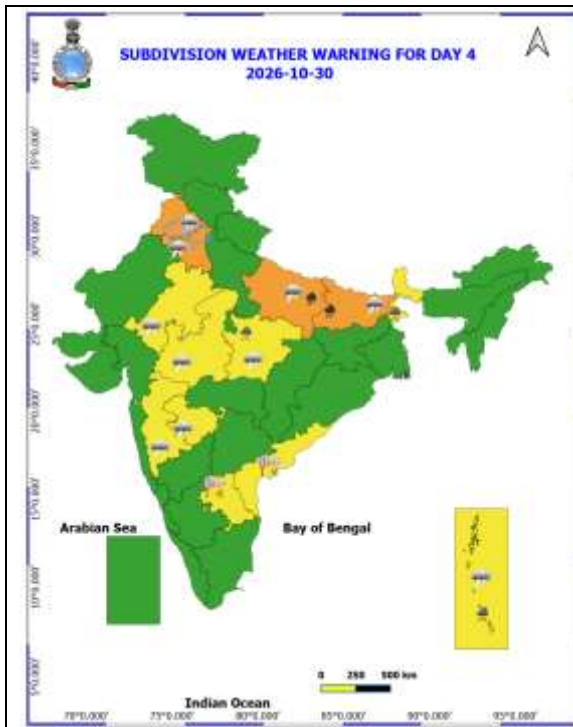
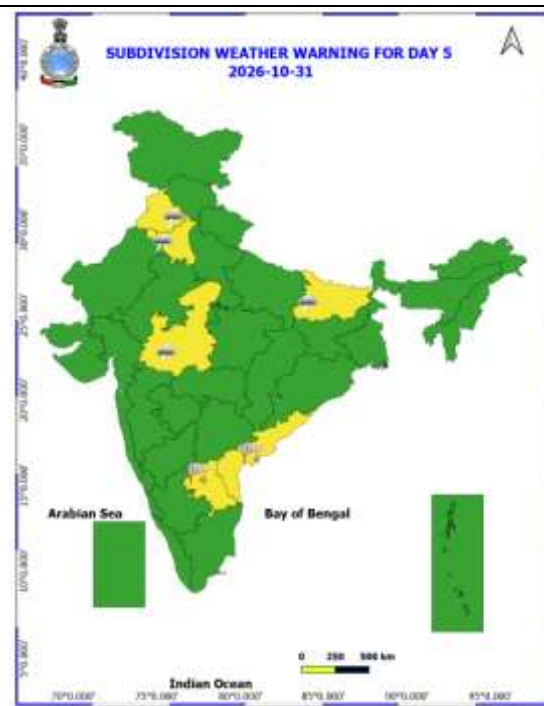
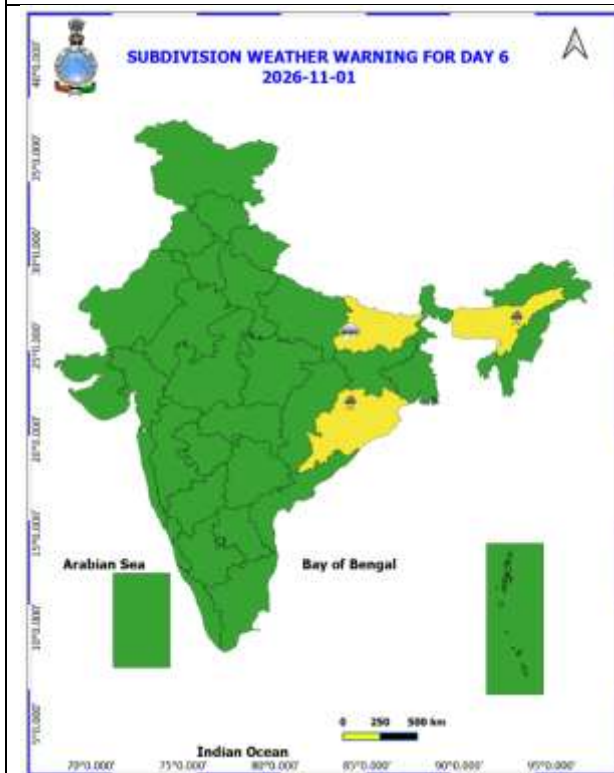
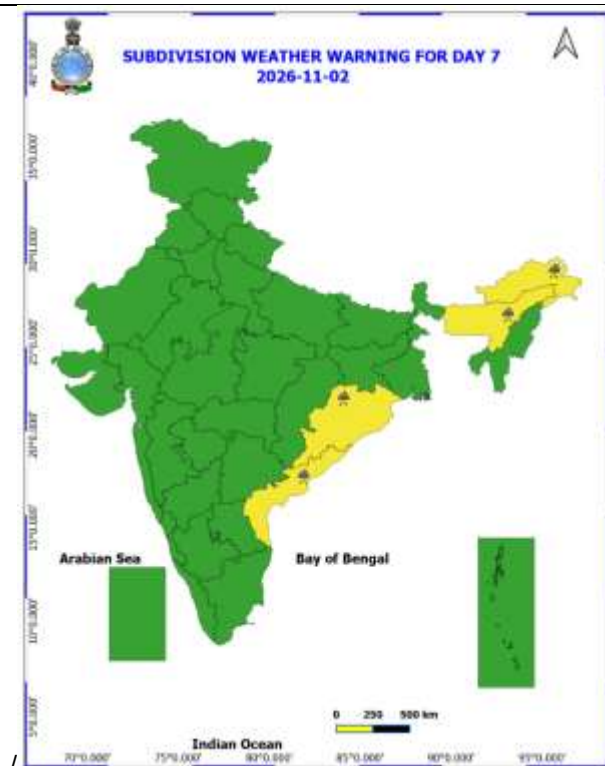
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 cm) (कल 0830 बजे IST से आज 0830 बजे IST तक अलग-अलग मौसम विभाग में) दर्ज की गई:

❖ केरल: वेल्लथूवल AWS (इडुक्की जिला) 7.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- Oct	28- Oct	29- Oct	30- Oct	31- Oct	1- Nov	2- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WWS	WWS	WWS	FWS	FWS	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	WWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	WWS	WWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	WWS	WWS	WWS	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	SCT	WWS	WWS	WWS	SCT	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	FWS	WWS	SCT	ISOL	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	WWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	SCT	WWS	WWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WWS	WWS	FWS	ISOL	ISOL	SCT	SCT
29	TELANGANA	SCT	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 29-31°C और न्यूनतम तापमान 15-16°C के बीच दर्ज किया गया। दिल्ली के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, जबकि बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

27.10.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30-32°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 16 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे तक रह जाएगी और हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

28.10.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 29°C से 31°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 12 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

29.10.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 30-40 किमी प्रति घंटा की तेज़ हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27°C से 29°C और न्यूनतम तापमान 16°C से 18°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 12 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 22 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 20 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है।

30.10.2026: आसमान में आंशिक रूप से या आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से लेकर दोपहर से पहले तक कई जगहों पर बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 30-40 किमी प्रति घंटा की तेज़ हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27°C से 29°C के बीच और न्यूनतम तापमान 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5°C से 3.0°C अधिक रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 3.1°C से 5.0°C तक काफी कम रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 10 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति कम होकर 20 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है।

भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 27-28 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 28 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में; और 27-28 अक्टूबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ इसके अलावा, 28 अक्टूबर को तेलंगाना और विदर्भ में; 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; 29 अक्टूबर को झारखंड और ओडिशा में; तथा 29-30 अक्टूबर के दौरान बिहार में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- ❖ तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ ओडिशा में, खड़ी फसलों और नर्सरियों, खासकर निचले खेतों में, पानी की उचित और लगातार निकासी सुनिश्चित करें। धान, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और कुटकी (लिटिल मिलेट) की फसलें पक जाने पर, मौसम साफ होने के दौरान उनकी कटाई कर लें। खेतों में पानी की निकासी के रास्ते (नालियाँ) ठीक रखें। बारिश कम होने तक बुवाई, रोपाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, खड़ी फसलों से पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें। मूंगफली, मक्का, उड़द, मूंग और सोयाबीन की फसलें पक जाने पर उनकी कटाई कर लें। टमाटर, बैंगन, मिर्च, शिमला मिर्च और सर्दियों की शुरुआती सब्जियों की नर्सरी ऊंची और अच्छी जल निकासी वाली क्यारियों में तैयार करें। बारिश के दौरान कीटनाशक का छिड़काव और खाद डालने का काम न करें।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश में, खड़ी फसलों से पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें और गीली मिट्टी में खेती-बाड़ी का कोई काम न करें। दक्षिणी क्षेत्र में रबी फसलों की बुवाई तब तक टाल दें, जब तक बारिश रुक न जाए और मिट्टी की स्थिति बुवाई के अनुकूल न हो जाए।
- ❖ विदर्भ में, खड़ी फसलों से पानी की निकासी की व्यवस्था करें और भारी बारिश के दौरान खेतों में कोई काम न करें। धान, सोयाबीन और सब्जियों की फसलें पक जाने पर, मौसम साफ होने के दौरान उनकी कटाई जारी रखें और कटी हुई उपज को नमी से बचाएं। चना, कुसुम, अलसी और सिंचित सरसों की बुवाई केवल वहीँ करें जहाँ मिट्टी में पर्याप्त नमी हो और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो।
- ❖ तेलंगाना में, खड़ी फसलों से पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें और भारी बारिश के दौरान खेतों में कोई काम न करें।

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, फसलों और नर्सरियों से पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें। धान और सब्जियों की फसलें पक जाने पर, बारिश न होने के समय उनकी कटाई करें और उपज को किसी ढकी हुई जगह पर सुखाएं। केले के पौधों को सहारा दें और सब्जियों की नर्सरी ऊंची क्यारियों में, बारिश से बचाने वाले शेड के नीचे तैयार करें। बारिश के दौरान खाद और कीटनाशक का इस्तेमाल न करें। सुपारी के पेड़ों को फलों के सड़ने (फ्रूट रॉट) से बचाने के उपाय केवल तभी करें जब बारिश न हो रही हो।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, मूंगफली की फसल पक जाने पर, मौसम साफ होने के दौरान उसकी कटाई कर लें। सर्दियों की सब्जियों की बुवाई भी बारिश न होने के समय पूरी कर लें।
- ❖ मिजोरम में, पहाड़ी इलाकों में उगाई गई धान की फसल पक जाने पर उसकी कटाई जारी रखें और उपज को सुरक्षित व सूखी जगह पर रखें। जहां हालात अनुकूल हों, वहां रबी मक्का की बुवाई करें और आलू लगाने के लिए खेत तैयार करें। शुरुआती पतागोभी, फूलगोभी और ब्रोकली की नर्सरी में बुवाई जारी रखें और हाल ही में रोपे गए पौधों को खराब मौसम से बचाएं। पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें और भारी बारिश के दौरान खेतों में कोई काम न करें। □ पूर्वी मध्य प्रदेश में, सूखे मौसम के दौरान पक चुकी सोयाबीन और मक्का की कटाई करें, तथा खुले हुए कपास के गोलों (टिंडों) को चुन लें। मटर, चना और सरसों की बुवाई, तथा लहसुन की रोपाई तभी करें जब मिट्टी में नमी और खेत की स्थिति उपयुक्त हो; भारी बारिश के दौरान खेत के काम टाल दें।
- ❖ केरल में, जल निकासी के रास्तों को साफ रखें और फसलों की जड़ों के आसपास पानी जमा न होने दें, खासकर निचले खेतों में। केले के पौधों और सब्जियों की लताओं को सहारा दें, और कटी हुई फसल, बीजों तथा उर्वरकों को बारिश और अत्यधिक नमी से बचाएं। मौसम साफ होने पर पकी हुई फसलों की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित रूप से भंडारित करें। बारिश के दौरान उर्वरक डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें, और इन्हें तभी शुरू करें जब मौसम और खेत की स्थिति अनुकूल हो।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ कटी कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही उसे तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को अच्छी तरह बांधकर ढक दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे झड़-उधर न बिखरें।
- ❖ बागवानी फसलों को सहारा दें; सब्जियों और फलों के छोटे या फल देने वाले पौधों को खूंटे से बांधें या सहारा दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे गिर न जाएं।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन पर भारी बारिश के संभावित असर के लिए सलाह

- ❖ भारी बारिश के दौरान पशुओं को शेड (बाड़े) के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ पशुओं के चारे और दाने को सुरक्षित स्थान पर रखें ताकि वे खराब न हों।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली लगाकर पानी की निकासी का प्रबंध करें, ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके और तालाब ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल जाएं।

अचानक आई बाढ़ के लिए मार्गदर्शन:

**28-10-2026 के 2330 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम
(एफएफआर):**

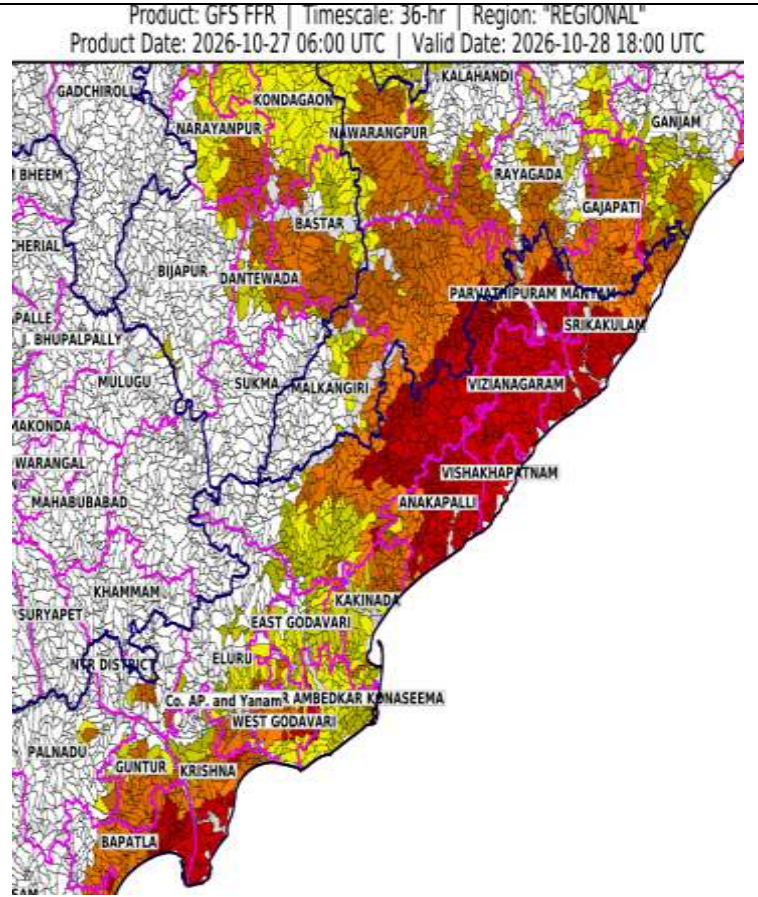
गंभीर चक्रवाती तूफान "अर्नब" के प्रभाव के तहत, अगले 36 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: बापटला, गुंटूर, कृष्णा, एनटीआर जिला, एलुरु, पश्चिम गोदावरी, डॉ. बी आर अंबेडकर कोनसीमा, पूर्वी गोदावरी, काकीनाडा, श्री अल्लुरी सीतारमाराजू जिला, अनाकापल्ली, विशाखापत्तनम, विजयनगरम, श्रीकाकुलम और पार्वतीपुरम मान्यम जिले

ओडिशा: मलकानगिरी, कोरापुट, नवरंगपुर, रायगढ़, गजपति, गंजम, कालाहांडी और कंधमाल जिले

छत्तीसगढ़: दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर और कोंडागांव जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 36 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता के क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।

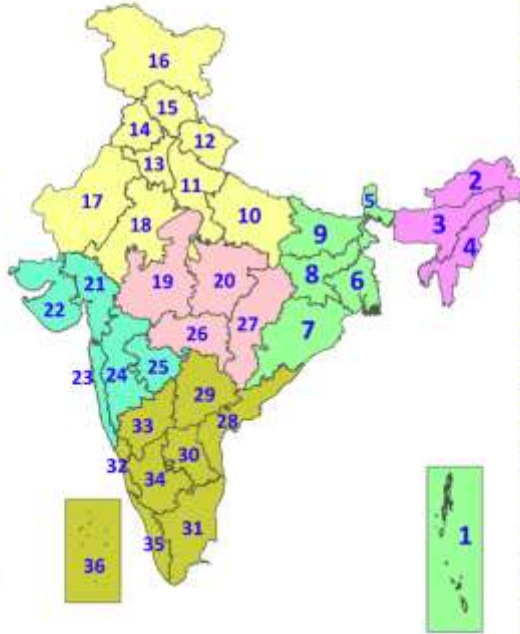


संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: जिला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)